



सूचना पत्र: अप्रैल-जून 2019  
खंड X अंक 18 (II)

विश्व रक्तदाता  
दिवस, 2019

# नाको समाचार



**National AIDS Control Organisation**  
India's Voice against AIDS  
Ministry of Health & Family Welfare, Government of India  
[www.naco.gov.in](http://www.naco.gov.in)



Beti Bachao Beti Padhao



एक कदम स्वच्छता की ओर



Chhaya  
Swasth Bharat



AIDS Helpline  
1097

# अनुक्रमणिका

## मुख्य लेख:

विश्व रक्तदाता दिवस — जागरूकता पैदा करने के लिए वॉकथॉन का आयोजन .....	03
---	----

## कार्यक्रम:

एच.आई.वी. स्व: परीक्षण के संबंध में तकनीकी सलाहकार समूह की तृतीय बैठक.....	05
बिहार के कारागारों में एच.आई.वी. और तपेदिक हस्तक्षेप का लोकार्पण .....	05
पोत परिवहन मंत्रालय के साथ संयुक्त कार्यकारी समूह की तृतीय बैठक .....	07
भारत के ए.आर.टी.सी. में पंजीकृत पी.एल.एच.आई.वी. के बीच हेतुक—विनिर्दिष्ट मृत्यु दर (सी.एस.एम.आर.) का निर्धारण करने हेतु वर्बल ऑटोप्सी (वी.ए.) .....	08
स्व: (एस.वी.ए.: स्व:—सत्यापित अनुपालन): 99 डॉट्स के अंतर्गत एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ए.आर.टी.) पर एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए (पी.एल.एच.आई.वी.) .....	09
लोक मीडिया कार्यशाला — राजस्थान .....	10
सीमा सुरक्षा बल के साथ दो दिवसीय संवेदीकरण सह जागरूकता कार्यशाला — उत्तर प्रदेश .....	11
चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी — नि:शुल्क त्वचा और एच.आई.वी. जांच .....	11
तंबाकू दुरुपयोग पर एक दिवसीय संगोष्ठी — इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ साइन्स, जम्मू .....	12
वर्ना इंडस्ट्रियल एस्टेट के लिए समन्वय बैठक — गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी .....	12
कादम्बा परिवहन निगम के कर्मचारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स संवेदीकरण कार्यक्रम .....	13
कोंकण रेल निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स संवेदीकरण .....	13
टेक महिंद्रा स्मार्ट अकादमी के साथ जागरूकता कार्यक्रम — दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी .....	14
एन.सी.सी. के छात्रों के साथ जागरूकता कार्यक्रम — दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी .....	14

## समारोह:

दिल्ली के मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव .....	15
गोवा में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव .....	16
तमिलनाडु में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव .....	17
मेघालय में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव .....	18
पुडुचेरी में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव .....	18
स्वापक औषधि दुरुपयोग और अवैध मानव—व्यापार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन .....	19
गुजरात में श्रमिकों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता, बुनियादी प्रशिक्षण .....	19

## विश्व रक्तदाता दिवस – जागरूकता पैदा करने के लिए वॉकथॉन का आयोजन

हर साल, 14 जून को दुनिया भर में विश्व रक्तदाता दिवस (WBDD) के रूप में मनाया जाता है। यह समारोह सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने और रक्तदाताओं के रक्त के रूप में उनके जीवन रक्षक उपहारों का धन्यवाद देने का कार्य करता है।

इस वर्ष विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर भारत में इंडियन सोसायटी ऑफ ट्रांसफ्यूजन मेडिसिन (आई.एस.टी.एम.) द्वारा दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और दिल्ली राज्य रक्ताधान परिषद के सहयोग से इंडिया गेट, नई दिल्ली पर एक वॉकथॉन का आयोजन किया गया।

देश भर में सभी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा बड़े पैमाने पर इस समारोह का आयोजन किया गया।

डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने वॉकथॉन में भाग लिया और लोगों को नियमित स्वैच्छिक दाता बनने के लिए प्रेरित किया। वॉकथॉन में श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको, डॉ. शोभिनी राजन, ए.डी.जी., नाको और निदेशक, एन.बी.टी.सी., श्री ए.के. कौशल, परियोजना निदेशक, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, और भारत सरकार, नाको और दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस समारोह में सक्रिय रक्तदातागण, विभिन्न ब्लड बैंक और विकास सहभागी भी उपस्थित थे।



डॉ. हर्ष वर्धन, स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार, वॉकथॉन में प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए

“मैं जीवन की रक्षा करने में सभी स्वैच्छिक रक्तदाताओं के भारी समर्थन के लिए उनका धन्यवाद करता हूँ। इस मंच के माध्यम से, मैं सभी से आगे आने और न केवल एक बार बल्कि नियमित रूप से रक्तदान करने का आग्रह करता हूँ। अपनी छोटी भागीदारी के साथ हम एक जीवन को वापस शक्ति प्रदान कर सकते हैं। आइये, हम सभी प्रतिज्ञा करें कि उपचार के किसी भी चरण में रक्त की कमी के कारण कोई भी नहीं मरेगा।”

(डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार)



श्री ए. के. कौशल, परियोजना निदेशक, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और डॉ. परवीन कुमार, अपर परियोजना निदेशक, दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी वॉकआउट के दौरान कर्मचारियों के साथ

श्रोतागण और मीडिया के साथ बातचीत करते हुए, डॉ. हर्ष वर्धन, माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार ने अपने विचारों को भी साझा किया कि स्वास्थ्य देखभाल व्यावसायियों के रूप में, हमारी उन मिथकों और गलत धारणाओं का उन्मूलन करने की कर्तव्यनिष्ठ जिम्मेदारी है जो आम जनता के बीच मौजूद रहती है, उन्हें रक्तदान करने और नियमित रक्तदाता बनने से रोकती हैं। 100% स्वैच्छिक दान का लक्ष्य हासिल करने के लिए जागरूकता फैला कर इन मिथकों और गलत धारणाओं को हटाए जाने की सख्त आवश्यकता है। केवल समर्पण और स्वैच्छिक रक्तदाताओं के सुदृढ़ समर्थन के साथ ही यह लक्ष्य

हासिल किया जा सकता है।

विश्व रक्तदाता दिवस पर आयोजित वॉकआउट के अलावा, पूरे महीने दिल्ली के विभिन्न अस्पतालों, अर्थात् पूर्व दिल्ली में जीटीबी अस्पताल, दक्षिण पश्चिम दिल्ली में आकाश अस्पताल, द्वारका, मध्य दिल्ली में जी.बी. पंत अस्पताल, रोहिणी, उत्तर पश्चिम दिल्ली में बी.एस.ए. अस्पताल, ब्लड बैंक में पदयात्राओं एवं रक्तदान शिविरों का आयोजन किया गया और दक्षिण दिल्ली में एम्स द्वारा एक सामुदायिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।



पदयात्रा की झलकियां की एक झलक

# कार्यक्रम

## एच.आई.वी. स्व: परीक्षण के संबंध में तकनीकी सलाहकार समूह की तृतीय बैठक

16 मई, 2019 को नई दिल्ली में श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको की अध्यक्षता में एच.आई.वी. स्व: परीक्षण (एच.आई.वी.एस.टी.) के संबंध में तकनीकी सलाहकार समूह (टी.ए.जी.) की तीसरी बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान, यह प्रस्ताव दिया गया कि तकनीकी सलाहकार समूह की चर्चा से, जो निम्नलिखित पर केन्द्रित थी, प्राप्त साधन-सामग्री की सहायता से एच.आई.वी. स्व: परीक्षण की नीति बनाई जाए:

- (1) एच.आई.वी.एस.टी. तक पहुँच
- (2) संभावित प्रयोक्ता
- (3) बाज़ार का प्रवेश
- (4) सहमति की आयु
- (5) परामर्श और उपयोग साध्य बनाना
- (6) नीति बनाना और संचालन की चुनौतियाँ
- (7) अन्य प्रमुख चुनौतियाँ

सहभागियों को 4 समूहों में विभाजित करके चर्चा की गई। परियोजना के एक वरिष्ठ सदस्य द्वारा इस सत्र को संयमित किया गया। प्रत्येक समूह ने अपने नामित विषय पर विचार-विमर्श किया और अपनी टिप्पणियों और विचारों को साझा करते हुए एक प्रस्तुतीकरण दिया। सामूहिक चर्चाएं निम्न विषयों पर केन्द्रित थीं:

समूह 1: संवाद, परामर्श/सहायक सेवाएं और मांग सृजन, समूह 2: पुष्टिकारी जांच के लिए सहलग्नता, समूह 3: एम. एंड ई. तंत्र और समूह 4: सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में एच.आई.वी.एस.टी. की संभावित भूमिकाएँ।

तकनीकी सलाहकार समूह के सदस्यों ने सहमति व्यक्त की कि एच.आई.वी.एस.टी. को मौजूदा एच.सी.टी.एस. के लिए एक अतिरिक्त विधि माना जाना चाहिए। निम्नलिखित आबादियों के लिए एक अतिरिक्त विकल्प के रूप में इसका पक्षसमर्थन किया जाना चाहिए, जो वर्तमान कार्यक्रम द्वारा कम सेवा प्राप्त कर पा रहे हैं, जैसे:

सूचक जांच — पी.एल.एच.आई.वी. के जीवनसाथी/सहभागी (असंगत दम्पतियों सहित) के साथ-साथ एच.आई.वी. नैगेटिव मुख्य आबादी;

- मुख्य आबादियों की वे उप-आबादियाँ जिन तक लक्षित हस्तक्षेप पहुँच नहीं पाया है
- उच्च जोखिम रखने वाले किशोर और युवा आबादी
- आभासी आबादी और
- उच्च स्थानिकमारी परिवेश जैसे मिजोरम



भारतीय परिप्रेक्ष्य, चुनौतियाँ और अवसरों के बीच बिना सहायता के स्वपरीक्षण पर भी पैनल चर्चा की गई थी

## बिहार के कारागारों में एच.आई.वी. और तपेदिक हस्तक्षेप का लोकार्पण

31 मई, 2019 को बिहार सुधार प्रशासन संस्थान में आयोजित एक कार्यक्रम में बिहार के कारागारों में श्री मनोज कुमार, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, श्री मिथिलेश मिश्रा, आई.ए.एस., कारागार महानिरीक्षक, बिहार सरकार और डॉ. अनूप कुमार पुरी, उप-महानिदेशक, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन,

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से एच.आई.वी./तपेदिक हस्तक्षेप का लोकार्पण किया गया। लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान हाजीपुर कारागार में एच.आई.वी. एकीकृत सर्वप्रथम सुविधा परामर्श और जांच केन्द्र (एफ.सी.टी.सी.) का उद्घाटन किया गया।

श्री मनोज कुमार, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने अपने आधार व्याख्यान में उल्लेख किया कि कारागार में रहने वाले लोगों को एच.आई.वी. संक्रमण का खतरा है क्योंकि निवारक और देखभाल सेवाओं तक उनकी पहुँच नहीं है। उन्होंने कहा कि अधिकांश कैदी जो अक्सर दवा की निर्भरता के कारण खराब मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य से पीड़ित होते हैं या जिन के परिवार से अलग होने की स्थिति में डिप्रेशन, आक्रामकता और जोखिम भरे व्यवहार में इज़ाफा होता है।

उन्होंने राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अधिकारियों को सलाह दी कि वे सभी 8 केंद्रीय कारागारों, 32 जिला कारागारों और 18 उप-कारागारों को चरणबद्ध तरीके से शामिल करने के लिए एच.आई.वी./टीबी हस्तक्षेप की योजना बनाएं और उसे लागू करें। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया कि प्रस्तावित हस्तक्षेप की दीर्घकालिकता सुनिश्चित करने के लिए राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और कारागार एवं सुधार प्रशासन के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने के सत्यनिष्ठ प्रयास किए जाएंगे।



श्री मिथिलेश मिश्रा, आई.ए.एस., कारागार महानिरीक्षक, बिहार सरकार ने राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से ओ.एस.टी. सहित जांच और उपचार सेवाओं के विभिन्न पहलुओं के संबंध में चिकित्सा और पराचिकित्सा कर्मचारियों सहित कारागारों के सभी अधिकारियों के लिए स्थल-निर्दिष्ट प्रशिक्षण/क्षमता निर्माण गतिविधियों का संचालन करने का अनुरोध किया। उन्होंने आश्वासन दिया कि एच.एस.एस. स्थलों की स्थापना करने के लिए दो केंद्रीय कारागारों को आवश्यक दिशा प्रदान की जाएगी। आगे उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि गैर-सरकारी संगठनों/समुदाय आधारित संगठनों के पतों सहित सेवा प्रदाताओं के विवरण के साथ; ओ.एस.टी., आई.सी.टी.सी. और ए.आर.टी. संपर्क विवरण देने वाली डायरेक्टरी की उपलब्धता रिहा हो रहे कैदियों के लिए सहलग्नता सुनिश्चित करने में कारागार अधिकारियों की बहुत मदद करेगी।

डॉ. अनूप कुमार पुरी, उप-महानिदेशक नाको ने कारागार महानिरीक्षक और परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स

नियंत्रण सोसायटी को कारागारों और अन्य आबद्ध परिवेशों में एच.आई.वी./तपेदिक हस्तक्षेप को परिचालित करने के लिए तैयार किए एच.आई.वी./तपेदिक दिशानिर्देशों की प्रतियां प्रस्तुत की।

लोकार्पण कार्यक्रम से एक दिन पहले, बिहार सुधार प्रशासन संस्थान में श्री मिथिलेश मिश्रा, आई.ए.एस., कारागार महानिरीक्षक, बिहार सरकार की अध्यक्षता में एच.आई.वी./एड्स के विभिन्न पहलुओं के संबंध में चिकित्सा और पराचिकित्सा कर्मचारियों सहित कारागारों के अधिकारियों का संवेदीकरण करने के लिए एक राज्य स्तरीय कार्यशाला का भी आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में 170 से अधिक कारागार अधिकारियों और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी प्रतिनिधियों ने भाग लिया।



“स्वैच्छिक परामर्श और जांच सेवाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के माध्यम से ए.आर.वी. दवाएं, एस.टी.आई. उपचार किट और स्वापक औषधि के उपचार की दवाएं जैसी सभी अनिवार्य आवश्यकताओं की आपूर्ति की जाएगी। एच.आई.वी./एड्स से लड़ना एक साझा ज़िम्मेदारी है और इसके लिए बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी हर संभव मदद सुनिश्चित करेगी।”

श्री मनोज कुमार, आई.ए.एस., परियोजना निदेशक, बिहार राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी



“राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना के तहत कैदियों को एक 'विशेष समूह' के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मैं इस तथ्य पर बल दे रहा हूँ कि राज्य की देखभाल और अभिरक्षा में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति को एच.आई.वी. रोकथाम, जांच, उपचार और परामर्श सेवाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकारों का दायित्व है।”

डॉ. अनूप कुमार पुरी, उप-महानिदेशक, नाको

एस. अब्राहम लिंकन  
तकनीकी विशेषज्ञ – क्षति न्यूनीकरण

## पोत परिवहन मंत्रालय के साथ संयुक्त कार्यकारी समूह की तृतीय बैठक

अपनी मेनस्ट्रीमिंग और सहभागिता प्रयासों के अंतर्गत, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन (नाको) ने 14 फरवरी, 2013 को पोत परिवहन मंत्रालय के साथ सर्वप्रथम समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौता ज्ञापन में पोत परिवहन की अधिकारिता के अधीन सभी पत्तनों में एच.आई.वी./एड्स की रोकथाम, देखभाल, सहायता और उपचार सेवाओं का सुदृढ़ीकरण करने की संकल्पना की गई है। इस सहभागिता का लक्ष्य एच.आई.वी./एड्स जानकारी, रोकथाम और जांच एवं उपचार संबंधी सेवाओं को बंदरगाह श्रमिकों, मछुआरों, नाविकों, ट्रक ड्राइवरों, एकल पुरुष प्रवासियों के साथ पत्तन क्षेत्रों के आसपास के समुदायों तक पहुंचना है। तत्पश्चात, नाको और पोत परिवहन मंत्रालय से संयुक्त कार्यकारी समूह के सदस्यों को नामांकित किया गया और संयुक्त कार्यकारी समूह की बैठकें आयोजित की गईं।



24 मई, 2019 को नाको कार्यालय, नई दिल्ली में डॉ. नरेश गोयल, उप-महानिदेशक, (आई.ई.सी. और एम.एस.), नाको की अध्यक्षता में पोत परिवहन मंत्रालय के साथ नाको के संयुक्त कार्यकारी समूह की तीसरी बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में श्री परमेश्वर बाली, सी.ओ.-पत्तन, पोत परिवहन मंत्रालय और मुख्य चिकित्सा अधिकारी/उप भारत के 10 पत्तनों से मुख्य चिकित्सा अधिकारियों ने भाग लिया। इस बैठक में ओडिशा, मुंबई और तमिलनाडु के संबंधित डिवीजनों से नाको अधिकारियों और राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया।



पत्तनों के प्रतिनिधियों ने अपने संबंधित क्षेत्रों में एच.आई.वी. और एड्स की रोकथाम एवं नियंत्रण संबंधी विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

अध्यक्ष ने पोत परिवहन मंत्रालय के अधीन बड़े पत्तनों द्वारा किए गए प्रयासों की प्रशंसा की और उन्होंने आश्वासन दिया कि नाको एच.आई.वी. रोकथाम और नियंत्रण के सभी पहलुओं में अपनी तकनीकी सहायता उपलब्ध कराना जारी रखेगा।

## भारत के ए.आर.टी.सी. में पंजीकृत पी.एल.एच.आई.वी. के बीच हेतुक-विनिर्दिष्ट मृत्यु दर (सी.एस.एम.आर.) का निर्धारण करने हेतु मौखिक शव-परीक्षा वर्बल ऑटोप्सी (वी.ए.)

भारत '2030 तक सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में एड्स का उन्मूलन करने' के लक्ष्य के लिए प्रतिबद्ध है। राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण परियोजना ने वार्षिक नए एच.आई.वी. संक्रमणों और एड्स से संबंधित मौतों में 50% से अधिक कमी लाकर 2015 तक सहस्राब्दी विकास लक्ष्यों को सफलतापूर्वक हासिल किया है। यह सुविदित है कि देर से निदान और तपेदिक जैसे कुछ समयानुवर्ती संक्रमण पी.एल.एच.आई.वी. के बीच मृत्यु का आम कारण हैं। हालांकि, भारत में पी.एल.एच.आई.वी. के बीच मौत के कारणों के संबंध

में वर्तमान सैद्धान्तिक साक्ष्य सीमित है। विभिन्न परिचालनिक मुद्दों के कारण अधिकांश मामलों में मृत्यु के कारण को प्रमाणित करने वाली मृतक पी-एल.एच.आई.वी. की उपयुक्त चिकित्सीय शव-परीक्षा उपलब्ध नहीं है। सरकारी ए.आर.टी. केंद्रों में पंजीकृत पी.एल.एच.आई.वी. के बीच मौत के कारणों को समझने से, अपेक्षाकृत नई बारीक परखें उपलब्ध हो सकती हैं और भावी हस्तक्षेपों और कार्यनीतियों के लिए साक्ष्य और दिशाएं जुटाने में मदद मिल सकती है।

### पृष्ठभूमि

29 मई, 2019 को सी.एस.टी. डिवीजन ने ए.आर.टी. केन्द्र में पंजीकृत मृतक पी.एल.एच.आई.वी. के नमूने के बीच मौत का सही कारण ज्ञात करने के लिए प्रारंभिक परामर्श किया। परामर्श में नाको के वरिष्ठ अधिकारियों, पी.सी.ओ.ई., सी.ओ.ई. से प्रतिनिधियों, और एच.आई.वी. के क्षेत्र के विशेषज्ञों ने भाग लिया। इसके अलावा, डब्ल्यू.एच.ओ., सी.डी.सी., यू.एस.एड, आई-टेक, शेयर-इंडिया, एन.ए.आर.आई., सी.एच.ए.आई., एन.सी.पी.आई. और एफ.एच.आई.360 के प्रतिनिधि भी उपस्थित थे।

उपर्युक्त परामर्श के बाद, मौखिक वर्बल ऑटोप्सी उपकरणों के संबंध में तीन दिन की अवधि के लिए दो बैचों में चयनित ए.आर.टी. केंद्रों में ए.आर.टी. कर्मचारियों को प्रशिक्षित करने का निर्णय लिया गया। इस संबंध में, ए.आर.टी. कर्मचारियों की क्षमता का निर्माण किया गया जिसमें नाको से सी.एस.टी. डिवीजन के अधिकारियों के साथ-साथ उत्तर और पूर्वोत्तर क्षेत्र से वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी/चिकित्सा अधिकारी, परामर्शदाता, क्षेत्रीय समन्वयक और टी.एस.यू. शामिल हुए। 26 से 28 जून, 2019 तक नई दिल्ली में यह प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान, सहभागियों को मौखिक शव-परीक्षा सिद्धांतों से अवगत कराया गया और उपकरणों के बारे में प्रशिक्षित किया गया।

सहभागियों को मौखिक शव-परीक्षा साक्षात्कार आयोजित करने के लिए संवाद तकनीकों के संबंध में एक प्रदर्शन भी दिया गया।





ए.आर.टी. कर्मचारियों का क्षमता निर्माण

प्रशिक्षित ए.आर.टी. कर्मचारियों के लिए इस प्रक्रिया का अगला चरण जनवरी से जून 2019 की अवधि के लिए अपने संबंधित ए.आर.टी. केंद्रों में मृतक पी.एल.एच.आई.वी. की एक लाइन सूची बनाना और उसे नाको के साथ साझा करना है। नाको द्वारा लाइन सूची की समीक्षा किए जाने के बाद, ए.आर.टी. कर्मचारी एन.सी.पी.आई. की मदद से प्रत्युत्तरदाताओं की पहचान करेंगे। यह संकल्पना की गई है कि क्लायंटों का ए.आर.टी. केंद्रों में साक्षात्कार किया जाएगा, जब तक कि क्लायंट किसी अन्य स्थान का अनुरोध न करे या संभारतंत्र की गंभीर चुनौतियों (पूर्वोत्तर, उत्तराखंड और अन्य) की स्थिति न हो। इन क्लायंटों के यात्रा व्यय के लिए उनकी प्रतिपूर्ति की जाएगी।

यह पायलट महत्वपूर्ण है क्योंकि प्राप्त आंकड़ों से परियोजना को मौतों के रोकथाम योग्य कारणों पर ध्यान केंद्रित करने और प्राथमिकता प्रदान करने में मदद मिलेगी।

डॉ. ऐलिस नोरीन आर. माराक,  
एसोसिएट परामर्शदाता

## स्व: (एस.वी.ए.: स्व:—सत्यापित अनुपालन): 99 डॉट्स के अंतर्गत एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी (ए.आर.टी.) पर एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए (पी.एल.एच.आई.वी.)

उपचार का अनुपालन वह सबसे महत्वपूर्ण कारक है जो उपचार का परिणाम निर्धारित करता है। कार्यक्रम के आंकड़ों के आधार पर, यह पाया गया है कि उपचार के पहले 6–12 महीनों में अनुपरीक्षण का अधिकतम हास और गोली लेने में कमी आना देखा जाता है। इसलिए, यह आवश्यकता महसूस की गई कि इस महत्वपूर्ण चरण के दौरान प्रारंभिक सहायता शुरू करने के लिए अनुपालन निगरानी के अधिक सघन साधन उपलब्ध होने चाहिए।

इसे ध्यान में रखते हुए, सी.एस.टी. डिवीजन, नाको एवरवैल, एफ.एच.आई. 360 की सहायता से ए.आर.टी. केंद्रों में एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी पर एच.आई.वी. के साथ जीवन बिताने वाले लोगों के लिए 99 डॉट्स के अंतर्गत (स्व: स्व—सत्यापित अनुपालन) का, जो तपेदिक में 99 डॉट्स की भांति है, का संचालन कर रहा है। जिन केंद्रों में (लगभग) प्रति माह 50 या इससे अधिक ए.आर.टी. शुरू होते हैं, उन्हें नोडल अधिकारियों की मदद से पायलट के लिए चुना गया है। नई शुरुआत करने वाले क्लायंटों को पायलट के लिए भर्ती किया जा रहा है। पायलट से पहले, इसका

ए.आर.टी. केन्द्र जी.टी.बी., दिल्ली और एल.एल.आर.एम. मेरठ में पूर्व-पायलट किया गया था। 15 और 16 अप्रैल, 2019 को दिल्ली में ए.आर.टी. केन्द्रों के कर्मचारियों को स्व: के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। शुरुआत में, पायलट 13 ए.आर.टी. केंद्रों में आयोजित किया गया और बाद में इसे 7 और केंद्रों तक बढ़ा दिया गया था जिससे भारतीय स्थलों के बीच केंद्रों की संख्या 20 तक पहुंच गई।



### उपयोग करने का तरीका

- संवर्धित गोली बॉक्स पैकेजिंग: दवा की मौजूदा बोटलों पर 1 नि:शुल्क टेलीफोन नंबर चिपकाया जाएगा।
- रोगी को उस समय नि:शुल्क टेलीफोन नंबर पर कॉल करना होगा जब वह दवा लेता है यह डैशबोर्ड पर रिकॉर्ड हो जाएगा। अनुपालन की निगरानी करने के लिए टेलीफोन कॉल की जाएगी।

- उन क्लायंटों के लिए, जो निःशुल्क टेलीफोन नंबर सेवा पर कॉल नहीं करते हैं, ऐसे रोगियों को दवा लेना याद दिलाने के लिए या ए.आर.टी. परामर्शदाताओं को उनके रोगियों को अनुपालन के संबंध में याद दिलाने के लिए एस.एम.एस. या आई.वी.आर. अनुस्मारक भेजे जाते हैं। यदि क्लायंट अनुस्मारक के बाद भी टेलीफोन नहीं करता है, तो आउटरीच कार्यकर्ता हस्तक्षेप के लिए क्लायंट से एक मुलाकात करता है।

इस समय, 890 रोगियों को स्व: में भर्ती किया गया है और उनका 81% अनुपालन (टेलीफोन कॉल + मैनुअल) दर्ज है।

इस हस्तक्षेप के साथ, कार्यक्रम की योजना दवा के सेवन के संबंध में ग्राहक की आदत डालना और अनुस्मारक एस.एम.एस. के द्वारा खुराक चूकने से बचना है। इससे रोगियों के बीच अनुपालन की रियल टाइम निगरानी होगी, इस प्रकार, जब रोगी कोई खुराक लेने से चूकता है तो शीघ्र सहायता कार्रवाई साध्य हो सकेगी।

डॉ. ऐलिस नोरीन आर. माराक,  
एसोसिएट परामर्शदाता

## लोक मीडिया कार्यशाला — राजस्थान

27 से 29 जून, 2019 तक राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने लोक-प्रदर्शन मंडलियों की क्षमता विकसित करने के लिए एच.आई.वी. और एड्स पर लोक कला आधारित संवाद नामक एक तीन दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण का आयोजन किया। यह कार्यशाला जयपुर में आयोजित की गई जिसमें 31 लोक मंडलियों से सहभागियों ने भाग लिया।

लोक मीडिया अभियान के उद्देश्यों के आधार पर इस कार्यशाला में मंडलियों को पूर्णतया अभिमुख करना शामिल था, जैसा कि नाको और राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा संकल्पना की गई थी, जिसमें उनके प्रदर्शन के दौरान प्रचारित किए जाने वाले संदेशों के स्वरूप के बारे में उनका संवेदीकरण करने पर फोकस किया गया था। इन साक्षात प्रदर्शनों को यथासंभव अधिक संवादात्मक बनाने पर विशेष ध्यान दिया गया था, इसलिए संदेश की प्रभावोत्पादकता सुनिश्चित है। इन सत्रों में मंडलियों को तीन

लोकप्रिय लोक विधाओं में प्रशिक्षण दिया गया — कला जत्था, कठपुतली और जादुई करतब।

इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि डॉ. नरेश गोयल, उप-महानिदेशक (आई.ई.सी. एवं एम.एस.), राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन थे। इस कार्यशाला में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. आर. पी. डोरिया, परियोजना निदेशक राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और डॉ. राजेंद्र मित्तल, अपर परियोजना निदेशक शामिल थे। कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय देते हुए डॉ. प्रदीप चौधरी, संयुक्त निदेशक—आई.ई.सी. ने बताया कि यह कार्यशाला राजस्थान के 16 जिलों में लोक मीडिया अभियान को अधिक प्रभावशाली रूप से प्रारंभ करने में मदद करेगी।



“सबसे पहले, मैं इस प्रयास के लिए टीम राजस्थान राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी को बधाई देता हूँ। मुझे इस कार्यशाला में भाग लेने वाले मंडलियों के बीच उत्साह का स्तर देखकर प्रसन्नता हो रही है। क्षेत्रीय भाषाओं का उपयोग करके प्रभावशाली संदेशों का प्रसार करने के महत्व को हम सभी समझते हैं। इस कार्यशाला के माध्यम से, हम कलंक और भेदभाव जैसे संवेदनशील मुद्दों को स्पर्श करने में समर्थ हुए हैं और एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 मौजूद होने के बारे में भी बात कर पाए हैं। मेरा मानना है कि ये संशोधित स्क्रिप्ट अधिक प्रभावशाली परिणाम प्राप्त करेंगी।”

डॉ. नरेश गोयल, उप-महानिदेशक (आई.ई.सी. और एम.एस.), नाको

## सीमा सुरक्षा बल के साथ दो दिवसीय संवेदीकरण सह जागरूकता कार्यशाला

मई, 2019 में उत्तर प्रदेश एड्स नियंत्रण सोसायटी के मार्गदर्शन में चित्रांशु समाज कल्याण परिषद, लखीमपुर खीरी ने दो दिवसीय एच.आई.वी./एड्स संवेदीकरण कार्यशाला आयोजित की। सभी नागरिक सेवा संगठनों में एच.आई.वी. को मुख्यधारा में लाने के उद्देश्य के साथ इस कार्यशाला का आयोजन गादानिया शिविर और सूदा शिविर के परिसर में किया गया था।



इस कार्यशाला में शामिल विषय इस प्रकार थे: एच.आई.वी./एड्स के मूलभूत तत्त्व, लक्षित हस्तक्षेप परियोजना, एच.आई.वी. और एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम 2017, कलंक और भेदभाव, एन.ए.सी.पी. का क्रम विकास और स्वैच्छिक रक्तदान के महत्व पर भी सत्र आयोजित किए गए। इस दो दिवसीय कार्यशाला में, मुख्यालय के अधिकारियों, अर्ध-सैनिक अधिकारियों, उनके परिवारों और समुदाय के सदस्यों ने एच.आई.वी. रोकथाम के महत्व के बारे में सीखा। उन्हें एच.आई.वी. रोकथाम के ए.बी.सी. फार्मूले के बारे में भी बताया गया और स्वैच्छिक रक्तदान के लिए भी प्रेरित किया गया। श्री संजय मिश्रा (टी.ई.-ए.&पी.), श्री अनुज दीक्षित (उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी), श्री योगेश कुमार शर्मा (पी.ओ.-उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी टी.एस.यू.), श्री जितेंद्र सिंह इस कार्यशाला के दौरान ज्ञान स्रोत व्यक्ति थे। लक्षित हस्तक्षेप गैर-सरकारी संगठनों के प्रतिभागियों और आई.सी.टी.सी. से अन्य कर्मचारियों ने भी कार्यशाला को एक सफल आयोजन बनाने में योगदान दिया।

## चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी: निःशुल्क त्वचा और एच.आई.वी. जांच

कुछ निजी, वित्तीय, सामाजिक और कानूनी परिस्थितियों के कारण, विभिन्न महिलाओं और बच्चों को सरकार एवं अन्य धर्मार्थ संगठनों द्वारा चलाए जा रहे अल्प ठहराव आश्रय गृहों में रहना पड़ता है। ये महिलाएं, ज्यादातर कम शैक्षिक स्तर के साथ कम सामाजिक आर्थिक स्थिति से संबंधित हैं। इसलिए, यह देखा गया है कि सामान्य स्वास्थ्य, निजी स्वच्छता और एच.आई.वी. से संबंधित मुद्दों, जैसे एस.टी.आई., और अन्य प्रजनन लैंगिक स्वास्थ्य मुद्दों के बारे में उनके ज्ञान का स्तर कम है। इन महिलाओं और बच्चों को शिक्षित करने के लिए, नाको ने देश में विशेष अभियान चलाने के लिए निर्देश जारी किए हैं। चंडीगढ़ में, समाज कल्याण विभाग, जरूरतमंद आबादी के लिए कुछ अल्प ठहराव आश्रय गृहों को चलाता है। स्वाधार की योजना के अंतर्गत दो परियोजनाएं अर्थात् सवेरा और नारी निकेतन आती हैं।

1 जून, 2019 को चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने “इंडियन वूमैन्स डर्मेटोलॉजिक एसोसिएशन-चंडीगढ़ चैप्टर” और “डब्ल्यू.डी.एस. ग्लोबल शेल्टर प्रोजेक्ट – चंडीगढ़ वूमैन डर्मेटोलॉजी ग्रुप इनीशिएटिव” की सहायता से नारी निकेतन, सेक्टर 26, चंडीगढ़ में एक एच.आई.वी. जागरूकता सह निःशुल्क त्वचा जांच और निःशुल्क एच.आई.वी. अनुवीक्षण शिविर का आयोजन किया। डॉ. वनिता गुप्ता, परियोजना निदेशक, चंडीगढ़ राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, डॉ. रश्मि



सरकार, प्रोफेसर, मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज, दिल्ली, डॉ. माला भल्ला, प्रोफेसर, जी.एम.सी.एच., 32, डॉ. रोमा पांथी और डॉ. जितेन्द्र दहिया, ए.डी. (एस.पी.एम.) ने दर्शकों को त्वचा की देखभाल, सामान्य स्वास्थ्य देखभाल और एच.आई.वी. और एस.टी.आई. और मां से बच्चे को एच.आई.वी. के संचारण और उपचार, और एंटीरेट्रोवायरल थेरेपी, जो सरकारी अस्पतालों में निःशुल्क उपलब्ध हैं, के द्वारा एच.आई.वी. उपचार, संबंधित मुद्दों के बारे में शिक्षित किया। सभी महिला सहभागियों की त्वचा की तकलीफों के लिए जांच की गई और उन्हें मुफ्त दवाइयां दी गईं। एच.आई.वी. के लिए कुल 57 महिलाओं की जांच की गई।

## तंबाकू दुरुपयोग पर एक दिवसीय संगोष्ठी—इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ, जम्मू

जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने इंदिरा गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ साइंसिस के सहयोग से विश्व तंबाकू निषेध दिवस के संबंध में 'तंबाकू को न बोलिये, जिंदगी को हां बोलिये' विषय पर फोकस के साथ एच.आई.वी./एड्स जागरूकता और स्वापक औषधि व्यसन—मुक्ति पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संस्थान के आर.आर.सी. के छात्रों ने बड़ी संख्या में विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया, जैसे वाद-विवाद प्रतियोगिता, पोस्टर बनाना, रंगोली बनाना, प्रहसन और

कविता पाठ।

डी.डी.—आई.ई.सी., जम्मू और कश्मीर राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने भी वर्तमान परिदृश्य में, विशेष रूप से युवाओं के संदर्भ में, स्वापक औषधियों दवाओं के दुरुपयोग पर अपने विचार साझा किए।

यह कार्यक्रम सभी विजेताओं को सम्मानित करने के लिए पुरस्कार वितरण समारोह के साथ संपन्न हुआ।



## वर्ना इंडस्ट्रियल एस्टेट के लिए समन्वय बैठक — गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी



अप्रैल 2019 में गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा वर्ना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन, डॉ. धायमोदकर्स ऑक्युपेशनल हेल्थ एंड रिसर्च सेन्टर और इंडियन मेडिकल एसोसिएशन, पोंडा के सहयोग से नियोक्ता नेतृत्व मॉडल के अंतर्गत एक संवेदीकरण सह समन्वय बैठक का आयोजन किया। श्री दामोदर कोचकर, वर्ना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रेज़ीडेंट ने स्वागत भाषण दिया। उन्होंने उल्लेख किया कि वर्ना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने एक आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं और उन्होंने सभी उद्योगों से एच.आई.वी./एड्स के विरुद्ध लड़ने के लिए गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के साथ समझौता ज्ञापन/आशय पत्र पर हस्ताक्षर करने का आग्रह किया। इस कार्यक्रम में दस उद्योगों से कार्यपालक अधिकारियों ने भाग लिया।

डॉ. सर्वेश दुबाशी, अध्यक्ष, आई.एम.ए., पोंडा ने भी सभा को संबोधित किया और सभी उद्योगों से एच.आई.वी. और एड्स के खिलाफ लड़ने का अनुरोध किया। डॉ. चंद्रकांत पोरोब, सी.एम.ओ., गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने एच.आई.वी./एड्स का सिंहावलोकन और गोवा में इसकी वर्तमान वस्तुस्थिति पर एक प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने नियोक्ता नेतृत्व मॉडल कार्यक्रम के बारे में विस्तार से समझाया और सभी सहभागियों से एच.आई.वी./एड्स के उन्मूलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की अपील की। सहभागियों का संवेदीकरण करने के लिए एड्स पढ़ाओ पर एक फिल्म शो का प्रदर्शन किया गया। साथ ही आई.ई.सी. पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया और उद्योगों को प्रस्तुत किए गए। वर्ना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन ने गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के साथ आशय पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं जो वर्ना इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के प्रेज़ीडेंट श्री दामोदर कोचकर द्वारा गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी को प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर डॉ. धायमोदकर ने भी भाषण दिया और हर किसी से हाथ मिलाने और उनके उद्योगों में ईएलएम कार्यक्रम शुरू करने का आग्रह किया।

## कादम्बा परिवहन निगम के कर्मचारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स संवेदीकरण कार्यक्रम



कादम्बा परिवहन निगम के कर्मचारियों के लिए मई, 2019 में कादम्बा बस स्टैंड, पंजिम में एच.आई.वी. / एड्स संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। यह एच.आई.वी. रोकथाम और सुरक्षित व्यवहार के संदेशों के साथ कर्मचारियों के समूहों के लिए एक महत्वपूर्ण वार्षिक संवेदीकरण गतिविधि है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य एच.आई.वी. के साथ रहने वाले लोगों के लिए स्वस्थ वातावरण को सक्षम करके सकारात्मक जीवन जीने और सकारात्मक स्थान बनाने के विचार को बढ़ावा देना था। KTCL सभी पीलएचआईवी के लिए इंटर-राज्य यात्रा के लिए 100% रियायत प्रदान करता है। इस वर्ष निगम ने अपने चार प्रमुख डिपो में संवेदीकरण और परीक्षण शिविर

आयोजित करने की इच्छा व्यक्त की है। KTCL कॉर्पोरेशन के महाप्रबंधक श्री एस. एल. घाटे ने सभा को संबोधित किया और कर्मचारियों से एचआईवी की रोकथाम के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाने और KTCL बसों से यात्रा करने वाले पीलएचआईवी के प्रति संवेदनशील होने का आग्रह किया। सी.एम.ओ, जीएसएसएसएस डॉ. चंद्रकांत पोरब ने भी सभा को संबोधित किया। डॉ. शिवली प्रभुदेसाई A.D (CST) डॉ. वीना वोल्वोइकर A.D (BSD) ने एचआईवी, एसटीआई और उपलब्ध सेवाओं की बुनियादी बातों पर सत्र का संचालन किया। विहान सी.एस.सी. से सुश्री शांति ने भी सकारात्मक जीवन के बारे में अपने विचारों को साझा किया।

## कोंकण रेल निगम लिमिटेड के कर्मचारियों के लिए एच.आई.वी./एड्स संवेदीकरण



संवेदीकरण सत्र की झलकियां

अप्रैल, 2019 के माह में कोंकण रेल अकादमी के कर्मचारियों के लिए एक संवेदीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया था। गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अधिकारियों ने

एच.आई.वी. और एड्स से संबंधित विभिन्न विषयों पर दर्शकों के साथ बातचीत की। सुश्री सुनीता अरुद्रा ने कोंकण रेल अकादमी के साथ गोवा राज्य एड्स नियंत्रण

सोसायटी के सहयोग पर चर्चा की और गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी द्वारा सभी पी.एल.एच.आई.वी. को प्रस्तुत की जा रही सेवाओं के बारे में समझाया। डॉ. शिवाली प्रभादेवी ने ए.आर.टी. और एस.टी.आई. से संबंधित मुद्दों के बारे में बात की।

सहभागियों ने ज्ञान स्रोत व्यक्तियों से बातचीत की और इस विषय के बारे में बेबाक तरीके से अपने संदेहों को दूर किया।

हिंदी और अंग्रेजी भाषाओं में एड्स-पढ़ाओ सामग्री वाली पेनड्राइव दी गई, ताकि विभिन्न रेलवे स्टेशनों के विभिन्न स्थानों पर उन्हें चलाया जाए। कोंकण रेल निगम के अधिकारियों द्वारा गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के रत्नागिरि प्रशिक्षण अकादमी में भी ऐसा ही एक सत्र आयोजित करने का अनुरोध भी किया गया। संबंधित अधिकारियों के टेलीफोन नंबरों के साथ साथ इस अनुरोध के बारे में महाराष्ट्र राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी को सूचित किया गया।

## टेक महिंद्रा स्मार्ट एकेडमी के साथ जागरूकता कार्यक्रम – दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी



टेक महिंद्रा स्मार्ट एकेडमी, दिल्ली कैम्पस में एच.आई.वी./एड्स जागरूकता पर अतिथि व्याख्यान आयोजित किए गए। जून, 2019 में दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से सुश्री सुजीता गहलोत, ए.डी. (वाई.ए.) और श्री आर. के. त्यागी ने व्याख्यान आयोजित किए। एच.आई.वी. रोगियों के प्रति शून्य भेदभाव की समझ, स्वीकारोक्ति विकसित करने एवं बढ़ावा देने हेतु छात्रों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से एच.आई.वी. जागरूकता और रोकथाम गतिविधियों से संबंधित मुद्दों के बारे में छात्रों के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। यह सत्र छात्रों और सत्र के प्रशिक्षक के बीच दोतरफा संवाद पर आधारित था जिससे छात्रों के लिए अपने संदेहों के बारे में बेबाकी से पूछने का वातावरण साध्य हो सका।

## एन.सी.सी. छात्रों के साथ जागरूकता कार्यक्रम – दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

जून, 2019 में दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के अधिकारियों द्वारा एन.सी.सी. भवन, रोहिणी में एन.सी.सी. कैडेटों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता और रोकथाम से संबंधित मुद्दों पर जागरूकता सत्र आयोजित किया गया। इन कैडेटों को भी सुरक्षित यौन रीतियों और ज़िम्मेदार व्यवहार को अपनाने के बारे में शिक्षित किया गया।

कमान अधिकारी, कर्नल पूनीश सरिन द्वारा भी प्रशिक्षकों की सहायता की गई।



# समारोह

## दिल्ली के मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव

14 जून, 2019 को विश्व रक्तदाता दिवस के उपलक्ष्य में दिल्ली राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी के सहयोग से दिल्ली राज्य रक्ताधान परिषद ने मौलाना आज़ाद मेडिकल कॉलेज में एक कार्यक्रम का आयोजन किया।

डॉ कार्ल लैंडस्टीनर, ऑस्ट्रिया के जीव विज्ञानी और चिकित्सक के जन्मदिन की स्मृति में, जिन्होंने रक्त समूहों की खोज की थी, हर साल 14 जून को विश्व रक्तदाता दिवस मनाया जाता है।

इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री सत्येंद्र कुमार जैन, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार थे। इस कार्यक्रम में सम्मानित अतिथि श्री संजीव खेरवार, प्रधान सचिव (स्वास्थ्य) /अध्यक्ष, राज्य रक्ताधान परिषद, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार और डॉ. संजय त्यागी, डीन एम.ए.एम.सी. थे। इस कार्यक्रम में डॉ. ए.के. पुरी, डी.डी.जी. (नाको) और डॉ. शोभिनी राजन, निदेशक, राष्ट्रीय रक्ताधान परिषद ने भी भाग लिया।



श्री सत्येंद्र कुमार जैन, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार सभा को संबोधित करते हुए

*"मैं सभी नागरिकों से उनके जन्मदिन पर नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए अपील करता हूँ और स्वैच्छिक रक्तदाताओं से आग्रह करता हूँ कि वे अपने साथियों को स्वैच्छिक रक्तदाता बनने के लिए प्रेरित करें।"*

श्री सत्येंद्र कुमार जैन, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

इस समारोह में नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं, स्वैच्छिक रक्त दान को बढ़ावा देने में शामिल संगठनों और रक्तदान कार्यक्रम में शामिल लाइफ टाइम अचीवर्स को भी सम्मानित किया गया।



कार्यक्रम के दौरान दाताओं और दाता संगठनों को सम्मानित करते हुए श्री सत्येंद्र कुमार जैन, माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र सरकार

माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री ने अपने सार्वजनिक भाषण में भी नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों में कई डॉक्टरों की भी सराहना की। उन्होंने जागरूकता अभियान के महत्व पर भी बल दिया और दिल्ली में सरकारी ब्लड बैंकों में स्वैच्छिक रक्तदान को बढ़ावा देने के लिए फेसबुक के माध्यम से विशेष सोशल मीडिया अभियान के उपयोग की सराहना की।

## गोवा में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव



समारोह में परियोजना निदेशक डॉ. जोस डिसूजा



डॉ नीलीक्षा गोम्स, प्रभारी — ब्लड बैंक, उत्तरी गोवा जिला अस्पताल, मापुसा ने दर्शकों के लिए आधार व्याख्यान दिया

विश्व रक्तदाता दिवस मनाने के लिए सेमिनार हॉल, सचिवालय, पोरवोरिम, गोवा में एक राज्य स्तरीय समारोह आयोजित किया गया। इस वर्ष के लिए अभियान का विषय 'सभी के लिए सुरक्षित रक्त' था। इस विषय ने गोवा से और अधिक लोगों को रक्तदाता बनने और नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए प्रोत्साहित किया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री संजीव डलवी, निदेशक, स्वास्थ्य निदेशालय थे और सम्मानित अतिथि श्री नागराज होन्नेकैरी, निदेशक, स्वास्थ्य सेवा निदेशालय थे। श्री गौरीश धोंड, रेडक्रॉस सोसायटी पंजिम के अध्यक्ष, डॉ. सावियो रॉड्रिग्स, सूक्ष्म-जीवविज्ञान के प्रोफेसर और प्रमुख, डॉ. नीलीक्षा गोम्स, प्रभारी — ब्लड बैंक, उत्तरी गोवा जिला अस्पताल मापुसा, डॉ जोस डिसूजा, परियोजना निदेशक, गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी, डॉ. चंद्रकांत पोरोब, सीएमओ, गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी भी समारोह में उपस्थित थे।



विश्व रक्तदाता दिवस पर दर्शकगण

इस समारोह के दौरान गोवा में रक्त सेवाओं के क्षेत्र में अनुकरणीय योगदान के लिए नौ संगठनों को सम्मानित किया गया था, कमान अफसर बैम्बोलीम 3टीटीआर/5टीटीआर, बेट्स इंडिया, कॉमस्कोप (एंड्रयू टेलीकॉम्युनिकेशन लिमिटेड), गांव पंचायत नागोआ, कैनकोना सरस्वत समाज, लायंस क्लब ऑफ कैवलसिम, हेल्पलाइन पोंडा, ग्लेनमार्क, कोलवले, हनुमान स्पोर्ट्स एंड कल्चरल क्लब, तालिगाओ।

गोवा राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी एक रक्तदान शिविर और आकाशवाणी, पंजिम के साथ एक फोन करें कार्यक्रम भी आयोजित किया।

यह कार्यक्रम बहुत सूचनाप्रद था और इस में सुरक्षित रक्त और रक्त उत्पादों की जरूरत से संबंधित मुद्दों पर प्रकाश डाला गया और स्वेच्छा से एवं नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए युवाओं को प्रोत्साहित किया गया।

## तमिलनाडु में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव

21 जून, 2019 को तमिलनाडु राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी और तमिलनाडु राज्य रक्ताधान परिषद ने तमिलनाडु पुलिस विभाग के सहयोग से राजारथिनम स्टेडियम, चेन्नई में विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का उद्घाटन किया और पूरे तमिलनाडु में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का आयोजन किया। इस पहल ने पूरे राज्य में बड़ी सफलता हासिल की। वरिष्ठ अधिकारियों की सक्रिय भागीदारी ने अधिकांश कर्मचारियों को प्रेरित किया और उनकी सहभागिता सुनिश्चित की। शिविर के दौरान राज्य भर में पुलिस विभाग से रक्त की 9,087 इकाइयां एकत्र की गईं।

चेन्नई में श्री करुप्पा गाउंडर पलानीसामी, माननीय

मुख्यमंत्री, तमिलनाडु ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में माननीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री, माननीय वन मंत्री, माननीय स्कूल शिक्षा मंत्री, माननीय विद्युत मंत्री, माननीय नगर प्रशासन मंत्री, माननीय ग्रामीण विकास और माननीय विशेष कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्री, माननीय ग्रामीण विकास और कार्यान्वयन, माननीय उच्च शिक्षा मंत्री, माननीय हिंदू धार्मिक और धर्मार्थ दान मंत्री और माननीय युवा कल्याण एवं खेल विकास मंत्री भी उपस्थित थे।



माननीय मुख्यमंत्री, तमिलनाडु सरकार ने सभा की अध्यक्षता की और शिविर का उद्घाटन किया

इसके अलावा, पूरे राज्य में, आम जनता के बीच नियमित स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता और महत्व को बढ़ावा देने के लिए जिला रक्ताधान अधिकारियों के सहायता से 32 जिलों में पदयात्राएं निकाली गईं। प्रत्येक जिले ने पदयात्रा/चेन का आयोजन किया और पूरे तमिलनाडु में जनता के बीच जागरूकता पैदा करने के लिए लगभग 10,320 छात्रों ने भाग लिया। इसके अलावा, इस अवसर पर पूरे राज्य में जिला कलेक्टरों द्वारा 1,664 नियमित स्वैच्छिक रक्तदाताओं को सम्मानित किया गया और 83 स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किए गए और स्वैच्छिक रक्तदाताओं से 4,702 रक्त इकाइयां एकत्र की गईं।

## मेघालय में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव

मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी, मेघालय राज्य रक्ताधान परिषद ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशालय, मेघालय सरकार के सहयोग से डॉन बॉस्को यूथ सेन्टर, शिलोंग में विश्व रक्तदाता दिवस 2018 का राज्य स्तरीय आयोजन किया, जिसमें डॉ. एस. लिंगडोह, परियोजना निदेशक, एमएसीएस, डॉ. सी. बुडनाह, सदस्य सचिव, राज्य रक्ताधान परिषद, मेघालय, मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी के सभी पूर्व परियोजना निदेशक, रेड रिबन क्लब, एन.एस.एस. यूनिट और अन्य कार्यकर्ता उपस्थित थे।

जनसंख्या के सभी समूहों के बीच जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से बैंड द्वारा संगीत प्रदर्शन, राज्य स्तर पर स्वैच्छिक रक्तदान के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए पुरस्कार

वितरण और रक्तदान शिविर जैसी गतिविधियां भी आयोजित की गईं।

“रक्ताधान आपातकालीन स्वास्थ्य देखभाल का एक आवश्यक घटक है। आपात स्थितियों से रक्ताधान की मांग में वृद्धि होती है और इसकी उपलब्धता चुनौतीपूर्ण और जटिल बनती है। आपात स्थितियों के दौरान रक्त की पर्याप्त आपूर्ति के लिए अच्छी तरह से संगठित रक्त सेवा की आवश्यकता होती है, और यह केवल पूरे समुदाय को प्रणबद्ध करके और पूरे वर्ष स्वैच्छिक अवैतनिक रक्तदान करने के लिए प्रतिबद्ध रक्तदाता आबादी के द्वारा ही सुनिश्चित किया जा सकता है।



स्वैच्छिक रक्तदाताओं की झलकें

परियोजना निदेशक,  
मेघालय राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी

## पुडुचेरी में विश्व रक्तदाता दिवस उत्सव

पुडुचेरी राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने एक जागरूकता पदयात्रा आयोजित करके विश्व रक्तदाता दिवस मनाया, जिसमें विभिन्न कॉलेजों के 150 से अधिक कॉलेज छात्र शामिल थे। इस पदयात्रा को श्री मल्लाडी कृष्णा राव, माननीय स्वास्थ्य मंत्री, पुडुचेरी ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस पदयात्रा में उपस्थित अन्य गणमान्य व्यक्तियों में श्री प्रशांत कुमार पांडा, आई.ए.एस., सरकार के स्वास्थ्य सचिव, डॉ. के.वी. रमन, स्वास्थ्य निदेशक डॉ. मोहन कुमार, मिशन निदेशक, एन.एच.एम., डॉ. सुजाथा, चिकित्सा अधीक्षक, राजीव गांधी सरकारी महिला एवं बाल अस्पताल और डॉ. एस. गोविन्दराजन, परियोजना निदेशक, पुडुचेरी एड्स नियंत्रण सोसायटी सह राज्य तपेदिक अधिकारी, पुडुचेरी शामिल थे।



स्वैच्छिक रक्तदान की आवश्यकता के बारे में जागरूकता पैदा करने के उद्देश्य से इस पदयात्रा को उन महत्वपूर्ण सड़कों के रास्ते से निकाला गया जहां यातायात के मायनों में उच्च गतिविधि है ताकि अधिकतम संख्या में लोगों तक पहुंचा जा सके। शिविरों में स्वेच्छा से रक्तदान करने हेतु श्रोताओं को प्रेरित करने और उन्हें बुलाने के लिए पूरी पुडुचेरी में एफ.एम. रेडियो पर विज्ञापन-गीत भी बजाए गए।

पदयात्रा की अगुवाई शिव का भेष धारण किए हुए एक व्यक्ति द्वारा की जा रही थी जिसके हाथ में 'रक्तदान भगवान है' का संदेश लिखा हुआ एक बैनर मौजूद था। इस विचार की माननीय स्वास्थ्य मंत्री द्वारा अत्यधिक सराहना की गयी। इस अवसर पर सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों/सामुदायिक स्वास्थ्य

केन्द्रों पर बैनर भी प्रदर्शित किए गए थे। तीन सरकारी ब्लड बैंक; जे.आई.पी.एम.आई.आर. अस्पताल, इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज और इंदिरा गांधी सरकारी जनरल अस्पताल और स्नातकोत्तर संस्थान को इस 'विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर' में शामिल किया गया, जिससे आम जनता के बीच जागरूकता पैदा हुई। इस शिविर के माध्यम से रक्त की कुल 130 इकाइयां एकत्र की गईं। इस अवसर पर पुडुचेरी के माननीय स्वास्थ्य मंत्री ने 56वीं बार रक्तदान किया। इस समारोह के दौरान एच.आई.वी./एड्स (रोकथाम और नियंत्रण) अधिनियम, 2017 और इसकी प्रमुख धाराओं का एक सूचनाप्रद सत्र भी आयोजित किया गया, ताकि अधिकारियों और अन्य सभी सहभागियों को शिक्षित किया जा सके।

## स्वापक औषधि दुरुपयोग और अवैध मानव-व्यापार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस का आयोजन

26 जून, 2019 को मेघालय एड्स नियंत्रण सोसायटी ने मेघालय की वॉलंटियरी हेल्थ एसोसिएशन, मानभा फाउंडेशन और अन्य हितधारकों के सहयोग से डॉन बॉस्को यूथ सेंटर, शिलांग में स्वापक औषधि दुरुपयोग और अवैध मानव-व्यापार के विरुद्ध अंतर्राष्ट्रीय दिवस का राज्य स्तरीय आयोजन किया।

इस समारोह के मुख्य अतिथि श्री एच. मावेन, आई.ए.एस., अपर मुख्य सचिव, समाज कल्याण विभाग, मेघालय सरकार थे और अन्य गणमान्य व्यक्तियों में डॉ. एल.एम. पदाह, डी.एच.एस. (एम.सी.एच. और परिवार कल्याण), मेघालय सरकार, श्री के. शबोंग, एंटी-नारकोटिक टास्क फोर्स, पुलिस अधीक्षक, शिलांग, गैर-सरकारी संगठन के सदस्य और पूरी राजधानी से कई स्कूलों के छात्र शामिल थे। आधिकारिक समारोह के अलावा, एक पदयात्रा भी आयोजित की गई थी। श्री एस.ए. रिंजाह, मिजोरम पुलिस सेवा, पुलिस अधीक्षक (शहर), पूर्वी खासी पहाड़ी जिला, शिलांग ने पदयात्रा को झंडी दिखाकर रवाना किया जिस में भारत स्काउट्स और गाइड, भारत खेल प्राधिकरण सहित 250 छात्र शामिल थे जिन्होंने युवाओं के बीच जागरूकता बढ़ाने में मदद करने के लिए भाग लिया।



## गुजरात में श्रमिकों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता, बुनियादी प्रशिक्षण

गुजरात राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी ने अहमदाबाद में टोरेंट पावर कंपनी लिमिटेड में कामगारों के लिए एच.आई.वी./एड्स जागरूकता पर एक बुनियादी प्रशिक्षण सत्र का आयोजन किया। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारी सदस्यों का इस विषय के बारे में संवेदीकरण किया गया। यह सत्र अत्यधिक संवादात्मक था जिसमें कामगारों ने बेबाक तरीके से अपने प्रश्न पूछे और अपनी भ्रांतियों को दूर किया। सत्र में श्री मनु वाघेला, सहायक निदेशक (एम.एस.) और श्री विराट नगर, तकनीकी विशेषज्ञ (सहभागिता एवं पक्षसमर्थन), टी.एस.यू. द्वारा तकनीकी मार्गदर्शन प्रदान किया गया।



**START TALKING.  
STOP HIV.**



**संरक्षक:** श्री संजीव कुमार, अपर सचिव एवं महानिदेशक (नाको एवं आर.एन.टी.सी.पी.), स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

**संयुक्त सचिव, नाको:** श्री आलोक सक्सेना, संयुक्त सचिव, नाको

**संपादक:** डॉ. नरेश गोयल, उप-महानिदेशक, नाको

**संपादकीय पैनल:** डॉ. आर. एस. गुप्ता (डी.डी.जी.), डॉ. ए. के. पुरी (डी.डी.जी.), डॉ. शोभिनी राजन (ए.डी.जी.), डॉ. राजेश राणा (राष्ट्रीय परामर्शदाता), नाको, ज्योतिका (परामर्शदाता) नाको

नाको समाचार, राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का सूचनापत्र है।

6वां तल और 9वां तल चंद्रलोक बिल्डिंग, 36 जनपथ, नई दिल्ली-110001 | टेलीफोन: 011-43509930, फैक्स: 011-23731746, [www.naco.gov.in](http://www.naco.gov.in)

**संपादन, डिज़ाइन एवं प्रकाशन:** द विजुअल हाउस, ईमेल: [tvh@thevisualhouse.in](mailto:tvh@thevisualhouse.in)

आपके सुझाव हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं, कृपया [feedback4naconewsletter@gmail.com](mailto:feedback4naconewsletter@gmail.com) पर अपने सुझाव लिखें